Sem-III
MPOLCC-11

Research
अनुसंधान अथवा शोध

Pol. Science
Dr. S.B.K.

अनुसंधान क्या है? What is Research

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी होने के साथ-साथ एक विवेकशील प्राणी भी है। वह अपने चारों ओर पाए जाने वाले जैविक और अजैविक पर्यावरण को देखकर समझने का प्रयास करता है। मनुष्य ने पहले प्राकृतिक घटनाओं और तत्पश्चात सामाजिक घटनाओं को समझने का प्रयास किया। यद्यपि सामाजिक जीवन में घटने वाली घटनाओं के लिए अनेक कारण उत्तरदायी होते हैं और उन सभी का समाधान ढूँढ़ना संभव नहीं होता है फिर भी मनुष्य सामाजिक जीवन की जटिलताओं को समझने के लिए प्रयासरत रहता है। वह यह जानना चाहता है कि प्राचीन समाज की संरचना किस प्रकार की थी? उसकी सरलता, सादगी आज इतनी जटिलताओं में कैसे बदल गई। उसने इसके लिए नवीन सिद्धांतों का निर्माण कर प्राचीन सिद्धांतों की जाँच नवीन परिप्रेक्ष्य में करने का प्रयास किया। यही शोध अथवा अनुसंधान है। जब सामाजिक क्षेत्र में इस प्रकार की खोज करने का प्रयास किया जाता है तो इसे सामाजिक अनुसंधान (Social Research) कहते हैं।

अर्थ तथा परिभाषा (Meaning and Definition) :-

सामान्य रूप से नवीन ज्ञान प्राप्त करने के लिए किया गया क्रमबद्ध प्रयास ही अनुसंधान या शोध (Research) कहलाता है परंतु सामाजिक विज्ञानों में अनुसंधान शब्द का प्रयोग न केवल ज्ञान प्राप्त करने के लिए बल्कि ज्ञान की प्राप्ति के साथ-साथ इसमें किसी प्रकार का संशोधन करने के रूप में भी किया जाता है।

अनुसंधान शब्द अंग्रेजी के Research शब्द का हिन्दी रूपान्तरण है जिसे Re तथा Search में बांटा जा सकता है। Re का अर्थ पुनः एवं Search का अर्थ 'खोज करना' है। अतः अनुसंधान अथवा Research का अर्थ पुनः खोज करना या बार-बार खोज करना है।

डा० एम० वर्गा के अनुसार :- अनुसंधान एक बौद्धिक प्रक्रिया है जो नए ज्ञान को प्रकाश में लाती है अथवा पुरानी त्रुटियों एवं भ्रान्त (गलत) धारणाओं का परिमार्जन करती है तथा व्यवस्थित रूप में वर्तमान ज्ञान-कोष में वृद्धि करती है।

अनुसंधान (Research) शब्द के प्रत्येक अक्षर के अर्थ को निम्न रूपों में व्यक्त किया जा सकता है:

R – Rational way of thinking (तार्किक ढंग से चिन्तन)
E – Exhaustive treatment (परिश्रम के साथ कार्य)
S – Search for Solution (समाधान की खोज)

Scanned with CamScanner

E – Exactness (शुद्धता या निश्चितता)
A – Analytical view (विश्लेषणात्मक दृष्टि)
R – Relationship among facts (तथ्यों में संबंध)
C – Critical Observation (आलोचनात्मक पर्यवेक्षण)
H – Honesty in work (ईमानदारी के साथ कार्य)

इस प्रकार अनुसंधान (Research) नवीन तथ्यों या सिद्धांत की खोज के लिए संचालित किया जाता है। नवीन ज्ञान की प्राप्ति के लिए सावधानीपूर्वक जांच, पर्याप्त अवलोकन एवं वस्तु विषयक अध्ययन करना होता है। इस पद्धति के द्वारा जो नए तथ्य प्रकाश में आते हैं वे ज्ञानवृद्धि के लिए बड़े सहायक हैं एवं भविष्य में किए जाने वाले अनुसंधानों के लिए मार्गदर्शक हैं।

सामाजिक अनुसंधान (Social Research)

Scanned with CamScanner

सामाजिक अनुसंधान (Social Research) – इसका अर्थ सामाजिक घटनाओं तथा समस्या से संबंधित नवीन ज्ञान प्राप्त करना, प्राप्त ज्ञान में वृद्धि करना तथा साथ ही जिन नियमों एवं सिद्धांतों का निर्माण किया गया है उनमें संशोधन करना भी है। सामाजिक अनुसंधान में नवीन तथ्यों की खोज, पुराने तथ्यों की प्रमाणिकता की जांच, उपयुक्त सैद्धांतिक वातावरण में उनके क्रमों, अंतर्संबंधों तथा कार्य-कारण की व्याख्या की जाती है। अत: सामाजिक अनुसंधान एक सुव्यवस्थित प्रणाली है जिसमें सामाजिक तथ्यों, घटनाओं आदि के बारे में ज्ञान प्राप्त किया जाता है।

सामाजिक अनुसंधान के प्रेरक तत्व [Motivational factors of a Social Research] –

श्रीमती पी० वी० यंग ने निम्नलिखित प्रेरक तत्वों का उल्लेख किया है:

1) **जिज्ञासा (Curiosity)** – मानव की जिज्ञासु प्रवृत्ति सामाजिक अनुसंधान का प्रमुख प्रेरक कारक रही है। स्वयं पी० वी० यंग के शब्दों में "जिज्ञासा मानव मस्तिष्क का एक आंतरिक लक्षण है तथा वह व्यक्ति के पर्यावरण की खोज के लिए एक बहुत बड़ी चालक शक्ति है।"

2) **कार्य-कारण संबंधों को समझने की इच्छा [Desire to understand Cause and Effect]** – समाज में घटने वाली प्रत्येक घटना के पीछे कोई कारण अवश्य होता है। इन घटनाओं में पाए जाने वाले कारण-परिणाम संबंधों को जानने की इच्छा सामाजिक अनुसंधान का एक प्रमुख प्रेरक तत्व है।

3) **नवीन तथा अप्रत्याशित घटनाओं का घटित होना [Appearance of a New and unanticipated events]** – अनेक बार समाज में होने वाले परिवर्तनों से ऐसी अप्रत्याशित स्थितियाँ पैदा हो जाती हैं जिसका पूर्वानुमान किसी को भी नहीं होता। सामाजिक अनुसंधानकर्ता इन स्थितियों को समझने के लिए प्रेरित हो जाता है।

4) **नवीन प्रणालियों की खोज एवं प्राचीन प्रणालियों की पुनर्परीक्षा [The discovery of new methods and Re-testing of old methods]** समाज में समय-समय पर अनेक नवीन समस्याएँ पैदा होती रहती हैं, इन्हें समझने और इसका समाधान ढूँढने के लिए पुरानी प्रणालियों को प्रयोग में लाया जाता है और जब वे इसमें असफल हो जाती हैं तो नवीन प्रणालियों की आवश्यकता महसूस होती है। यही आवश्यकता अनुसंधानकर्ता को अनुसंधान के लिए प्रेरित करती है।

सामाजिक अनुसंधान के उद्देश्य [Objectives of Social Research] –

सामाजिक अनुसंधान का उद्देश्य समाज में पायी जाने वाली अनेक समस्याओं का समाधान खोजना होता है। इसके लिए वैज्ञानिक विधियाँ (Scientific methods) प्रयोग में लायी जाती हैं। इन विधियों

Scanned with CamScanner

के प्रयोग द्वारा नवीन ज्ञान तथा सिद्धांतों की खोज और पुराने सिद्धांतों तथा तथ्यों का पुनः परीक्षण करना होता है। पी० वी० यंग के शब्दों में "सामाजिक अनुसंधान का मूल उद्देश्य, चाहे वह तत्कालीन हो अथवा दीर्घकालीन, सामाजिक जीवन को समझना और ऐसा करके उसपर अधिक नियंत्रण प्राप्त करना है।"

सामाजिक अनुसंधान के दो उद्देश्य होते हैं:

1.) सैद्धांतिक उद्देश्य (Theoritical Objectives)—

(i) नवीन तथ्यों एवं ज्ञान की खोज करना
(ii) कार्य-कारण संबंधों का पता लगाना
(iii) नियमों की खोज
(iv) सैद्धांतिक विकास

2.) व्यवहारिक उद्देश्य (Applied Objectives)—

सामाजिक अनुसंधान केवल सैद्धांतिक उद्देश्यों तक ही सीमित नहीं है अपितु इसका उद्देश्य सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रयोग करना तथा सामाजिक जीवन को अधिक उत्तम बनाना भी है। सामाजिक अनुसंधान के व्यवहारिक उद्देश्य निम्नवत हैं:

(i) समस्याओं का समाधान खोजना
(ii) प्रशासन में सहायक
(iii) सामाजिक योजनाओं को बनाने में सहायक
(iv) सामाजिक नियंत्रण में सहायक
(v) विकल्पों को खोजना

सामाजिक अनुसंधान का महत्व (Importance of Social Research)—

आज सभी सामाजिक विज्ञानों में सामाजिक अनुसंधान का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है। सामाजिक अनुसंधान सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक दोनों उद्देश्यों की पूर्ति हेतु किए जाते हैं। सामाजिक अनुसंधान का महत्व निम्नवत है:

(i) नवीन ज्ञान की प्राप्ति में सहायक
(ii) अज्ञानता को दूर करने में सहायक
(iii) सामाजिक घटनाओं को हल करने में सहायक
(iv) कल्याण कार्यों में सहायक
(v) प्रशासन एवं समाज-सुधार में उपयोगिता
(vi) सामाजिक नियंत्रण में सहायक
(vii) सामाजिक प्रगति में सहायक
(viii) भविष्यवाणी में सहायक

Scanned with CamScanner

सामाजिक अनुसंधान की समस्याएँ [Problems of Social Research]

सामाजिक अनुसंधान में अनेक समस्याएँ हैं जो निम्नवत हैं:

(i) सामाजिक घटनाओं की जटिल प्रकृति (Complex nature of Social events)
(ii) अवधारणाओं (Concepts) में स्पष्टता का अभाव
(iii) मापन (measurement) की समस्या
(iv) वस्तुनिष्ठता (objectivity) की समस्या
(v) प्रयोगात्मक (Experimental) शोधों की कमी
(vi) सत्यापन (Verification) की समस्या

—x—

Scanned with CamScanner